BOARD ZONE

RBSE

CHAPTERWISE PYQ

हिन्दी

2013 - 2025

Class 10

विषय - वस्तु

अध्याय **पृष्ठ संख्या**

1. अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश --02-08
2. अपठित काव्यांश --09-19
3. निबन्ध लेखन --20-29
4. पत्र लेखन ---30-32
5. विज्ञापन-लेखन ---33-33
6. व्यावहारिक व्याकरण --34-37
7. क्षितिज : पठित गद्यांश---38-39
8. क्षितिज : पठित पद्यांश---40-41
9. क्षितिज : पाठ्य पुस्तक प्रश्न (काव्य खंड)------------------------------------42-44
10. क्षितिज : पाठ्य पुस्तक प्रश्न (गद्य खंड) ------------------------------------45-47
11. कृतिका : पाठ्य पुस्तक प्रश्न ---48-49

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE

अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [8M]

भारतवर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा रही है । यहाँ सभी ऋतुएँ अपने समय पर आती हैं और पर्याप्त काल तक ठहरती हैं । ऋतुएँ अपने अनुकूल फल-फूलों का सृजन करती हैं । धूप और वर्षा के समान अधिकार के कारण यह भूमि शस्यश्यामला हो जाती है । यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा है और यहाँ की नदियाँ मोक्षदायिनी समझी जाती रही हैं । यहाँ कृत्रिम धूप और रोशनी की आवश्यकता नहीं पड़ती । भारतीय मनीषी जंगल में रहना पसन्द करते थे । प्रकृति-प्रेम के ही कारण यहाँ के लोग पत्तों में खाना पसन्द करते हैं । वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं । सूर्य और चन्द्र दर्शन नित्य और नैमित्तिक कार्यों में शुभ माना जाता है । पारिवारिकता पर हमारी संस्कृति में विशेष बल दिया गया है । भारतीय संस्कृति में शोक की अपेक्षा आनन्द को अधिक महत्व दिया गया है । इसलिए हमारे यहाँ शोकान्त नाटकों का निषेध है । अतिथि को भी देवता माना गया है - 'अतिथि देवो भवः' ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
(ख) भारतवर्ष की भूमि शस्यश्यामला कैसे है ?
(ग) भारतीय प्रकृति-प्रेम किस प्रकार प्रकट करते हैं ?
(घ) भारत में आतिथ्य एवं अतिथि का क्या स्थान है ?

(RBSE 2013)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [8M]

जीना भी एक कला है । लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है । जियो तो प्राण ढाल दो जिंदगी में, ढाल दो जीवन-रस के उपकरणों में । ठीक है ! लेकिन क्यों ? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है ? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है । याज्ञवल्क्य बहुत बड़े ब्रह्मवादी ऋषि थे । उन्होंने अपनी पत्नी को विचित्र भाव से समझाने की कोशिश की कि सब कुछ स्वार्थ के लिए है । पुत्र के लिए पुत्र प्रिय नहीं होता, पत्नी के लिए पत्नी प्रिया नहीं होती - सब अपने मतलब के लिए प्रिय होते हैं — आत्मनस्तु कामाय सर्वप्रिय भवति । विचित्र नहीं है यह तर्क ? संसार में जहाँ कहीं प्रेम है सब मतलब के लिए । सुना है, पश्चिम के हॉब्स और हेल्वेशियस जैसे विचारकों ने भी ऐसी ही बात कही है । सुन के हैरानी होती है । दुनिया में त्याग नहीं है, प्रेम नहीं है, परार्थ नहीं है, परमार्थ नहीं है — केवल प्रचण्ड स्वार्थ । भीतर की जिजीविषा - जीते रहने की प्रचण्ड इच्छा ही अगर बड़ी बात हो, तो फिर यह सारी बड़ी-बड़ी बोलियाँ, जिनके बल पर दल बनाये जाते हैं, शत्रु-मर्दन का अभिनय किया जाता है, देशोद्धार का नारा लगाया जाता है, साहित्य और कला की महिमा गाई जाती है, झूठ है । इसके द्वारा कोई न कोई अपना बड़ा स्वार्थ सिद्ध करता है । लेकिन अन्तरतर से कोई कह रहा है, ऐसा सोचना गलत ढंग से सोचना है । स्वार्थ से भी बड़ी कोई-न-कोई बात अवश्य है, जिजीविषा से भी प्रचण्ड कोई-न-कोई शक्ति अवश्य है । क्या है ?

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
(ख) याज्ञवल्क्य ने अपनी पत्नी को क्या समझाने की कोशिश की ?
(ग) लेखक को किस बात पर हैरानी होती है ?
(घ) उपर्युक्त गद्यांश में किस तरह से जीने की बात कही गई है ?

(RBSE 2014)

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [8M]

जिन्दगी के असली मजे उनके लिए नहीं है, जो फुलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं, बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का कोई स्वाद छिपा है, तो वह भी उन्हीं के लिए है, जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं, जिनका कण्ठ सूखा हुआ, ओंठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर है । पानी में जो अमृत वाला तत्त्व है, उसे वह जानता है जो धूप में सूख चुका है, वह नहीं जो रेगिस्तान में कभी पड़ा ही नहीं है ।

सुख देने वाली चीजें पहले भी थीं और अब भी हैं, फर्क यह है कि जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं, और उनके मज़े बाद को लेते हैं, उन्हें स्वाद अधिक मिलता है । जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है ।

बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं । अकबर ने 13 साल की उम्र में अपने बाप के दुश्मन को परास्त कर दिया था, जिसका एक मात्र कारण यह था कि अकबर का जन्म रेगिस्तान में हुआ था और वह भी उस समय जब उसके बाप के पास एक कस्तूरी को छोड़कर और कोई दौलत नहीं थी ।

महाभारत में देश के अधिकांश वीर कौरवों के पक्ष में थे । मगर फिर भी जीत पाण्डवों की हुई, क्योंकि उन्होंने लाक्षागृह की मुसीबत झेली थी, क्योंकि उन्होंने वनवास की जोखिम को पार किया था ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।
(ख) जिन्दगी के असली मज़े किन लोगों के लिए हैं ?
(ग) 'जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है ।' इस पंक्ति का आशय लिखिए ।
(घ) "बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं ।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(RBSE 2015)

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-: [8M]

जीवन की सच्ची प्रगति स्वावलम्बन के द्वारा ही संभव है। यदि हमारे मन में अपना कार्य करने का उत्साह नहीं है, अपनेऊपर विश्वास नहीं है, आलस्य ने हमारी कार्य शक्ति को पंगु बना दिया है तो फिर कैसे हमारे जीवन के कार्य पूरे हो सकेंगे? ऐसी स्थिति में हम अपने आपको किसी भी कार्य को करने में असमर्थ पाएंगे। समाज, राष्ट्र और संसार के लिए तो हम कर ही क्या सकेंगे, स्वयं अपने लिए भी भार स्वरूप हो जाएंगे। यह बात विचारणीय है कि संसार में जो इतने महान कार्य हुए हैं, क्या उनके पीछे स्वावलम्बन की सुदृढ़ शक्ति नहीं थी? यदि परावलम्बी पुरुषों की भांति सभी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते, अकर्मण्यता, आलस्य और दूसरों के सहारे जीने की भावना लिए रहते तो मानव समाज की इतनी प्रगति क्या संभव थी? इसीलिए तो संसार के सभी महापुरुष स्वावलंबन के पुजारी थे। अपने हाथों से ही उन्होंने अपने महान जीवन का द्वार खोला था। अब्राहम लिंकन, महात्मा गांधी, ईश्वर चन्द्र विद्या सागर आदि महापुरुषों से कौन अपरिचित है? उन्होंने स्वावलम्बन के अमृत को पीकर ही अमरता प्राप्त की थी। इसी कारण वे आज मर कर भी जीवित हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
(ख) व्यक्ति समाज के लिए भार कब बन जाता है?
(ग) समाज की प्रगति किन बातों पर निर्भर करती है?
(घ) महापुरुषों ने किस प्रकार अपने जीवन को सफल बनाया?

(RBSE 2016)

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [7M]

मनुष्य का हृदय बड़ा ममत्व प्रेमी है । कैसी ही उपयोगी और कितनी ही सुंदर वस्तु क्यों न हो, जब तक मनुष्य उसको पराई समझता है, तब तक उससे प्रेम नहीं करता किंतु भद्दी और बिलकुल काम में न आने वाली वस्तु को यदि मनुष्य अपनी समझता है, तो उससे प्रेम करता है । पराई वस्तु कितनी भी मूल्यवान क्यों न हो, कितनी ही उपयोगी क्यों न हो, कितनी ही सुंदर क्यों न हो,

निबंध-लेखन

1. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : [10M]

(क) राष्ट्रीय एकता की सुरक्षा : हमारा कर्तव्य
(i) राष्ट्रीय एकता का अभिप्राय
(ii) राष्ट्रीय एकता-अखण्डता की आवश्यकता
(iii) राष्ट्रीय एकता-अखण्डता की सांस्कृतिक विरासत
(iv) राष्ट्रीय एकता का वर्तमान स्वरूप
(v) राष्ट्रीय एकता और हमारा कर्तव्य
(vi) उपसंहार ।

(ख) युवा वर्ग में असन्तोष : कारण और निराकरण
(i) युवा वर्ग से आशय
(ii) युवावस्था — मानव जीवन का श्रेष्ठ समय
(iii) युवा शक्ति का महत्व
(iv) युवा वर्ग में बढ़ते असन्तोष के कारण
(v) युवा असंतोष को दूर करने के उपाय
(vi) उपसंहार ।

(ग) आदर्श विद्यार्थी जीवन
(i) विद्यार्थी जीवन का आशय
(ii) विद्यार्थी जीवन का आदर्श
(iii) विद्यार्थी जीवन के विशेष गुण
(iv) विद्यार्थी जीवन के उद्देश्य
(v) विद्यार्थियों से समाज व राष्ट्र को अपेक्षाएँ
(vi) उपसंहार ।

(घ) बढ़ती महँगाई - एक ज्वलन्त समस्या
(i) महँगाई से आशय
(ii) स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद की स्थिति
(iii) मूल्य वृद्धि में तेजी
(iv) महँगाई के विविध कारण
(v) महँगाई पर नियंत्रण के उपाय
(vi) उपसंहार ।

(RBSE 2013)

2. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : [10M]

BOARD ZONE

(क) चुनाव का एक दृश्य
(i) चुनाव का आशय
(ii) लोकतंत्र में चुनाव का महत्व
(iii) चुनाव के दिनों में दिखाई देने वाले दृश्य
(iv) प्रमुख राजनीतिक दल एवं मतदान दिवस
(v) उपसंहार ।

(ख) नारी सरक्तिकरण
(i) नारी सशक्तिकरण से आशय
(ii) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति
(iii) नारी सशक्तिकरण हेतु किये जा रहे प्रयास
(iv) देश की प्रमुख सशक्त नारियों का परिचय
(v) उपसंहार ।

(ग) भ्रष्टाचार की समस्या
(i) भ्रष्टाचार से आशय
(ii) विभिन्न क्षेत्रों में भ्रष्टाचार की स्थिति
(iii) भ्रष्टाचार का समाज पर प्रभाव
(iv) भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सुझाव
(v) उपसंहार ।

(घ) विद्यार्थी और अनुशासन
(i) अनुशासन का अर्थ
(ii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की आवश्यकता
(iii) विद्यालयों एवं कॉलेजों में अनुशासन की स्थिति
(iv) विद्यार्थी के जीवन निर्माण में अनुशासन का प्रभाव
(v) उपसंहार ।

(RBSE 2014)

3. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : [10M]

(क) इण्टरनेट — वरदान या अभिशाप

(i) प्रस्तावना
(ii) इण्टरनेट से आशय
(iii) इण्टरनेट से लाभ
(iv) सदुपयोग की समझ
(v) उपसंहार ।

पत्र-लेखन

1. स्वयं को जूनागढ़ का निवासी जितेन्द्र मानते हुए अहमदाबाद में रह रहे अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए जिसमें हाथ-धुलाई कार्यक्रम एवं पेट में कीड़ों की बीमारियों से बचने हेतु गोली खिलाने के कार्यक्रम द्वारा बालकों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के प्रयासों का उल्लेख हो । [5M]

अथवा

स्वयं को रजनीश निवासी रतलाम मानकर अपने क्षेत्र के विद्युत अभियन्ता को बोर्ड परीक्षा तैयारी के कारण विद्युत पूर्ति नियमित एवं पर्याप्त रूप से कराने हेतु अनुरोध पत्र लिखिए ।

(RBSE 2013)

2. स्वयं को अलसीगढ़ निवासी ऋषि मानकर मित्र मनन को एक पत्र लिखिए जिसमें हाल ही सम्पन्न हुई क्रिकेट प्रतियोगिता में आपकी टीम द्वारा ट्रॉफी जीतने का उल्लेख किया गया हो । [5M]

अथवा

स्वयं को रा० उ० मा० वि०, आसपुर का छात्र मानकर प्रधानाचार्य को विद्यालय में खेल सुविधाएँ बढ़ाने का निवेदन किया गया हो ऐसा पत्र लिखिए । (RBSE 2014)

3. स्वयं को बापू नगर निवासी हिमांशु मानकर शैक्षिक भ्रमण का वर्णन करते हुए अपने मित्र प्रियांशु को एक पत्र लिखिए ।

अथवा

स्वयं को शास्त्री नगर निवासी सुधांशु मानकर अपने छोटे भाई को धूम्रपान एवं नशे की लत से दूर रहने की समझाइश देते हुए पत्र लिखिए । [5M]

(RBSE 2015)

BOARD ZONE

4. स्वयं को भरतपुर निवासी अविनाश मानते हुए भरतपुर के नगर निगम के कार्यकारी अधिकारी को सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को नियंत्रित करने हेतु पत्र लिखिए। [5M]

अथवा

स्वयं को कपिल मानते हुए अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को मुहल्ले में आए दिन होने वाली चोरियों की शिकायत करते हुएएक पत्र लिखिए। (RBSE 2016)

5. स्वयं को गजपुर निवासी मदन मानते हुए अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखिए, जिसमें आपके विद्यालय में रिक्त पदों पर शिक्षक लगाने का निवेदन हो । [5M]

अथवा

अपने आप को रामपुर निवासी रतन मानते हुए जिला चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखिए । पत्र में आपके गाँव में अतिवृष्टि के कारण फैल रही मौसमी बीमारियों की रोकथाम का निवेदन हो ।

(RBSE 2017)

6. आपका नाम ईशान्त है । आप लक्ष्मीनगर, जयपुर के हैं । आपके क्षेत्र में अकसर अनियमित बिजली कटौती की समस्या रहती है। नियमित विद्युत सप्लाई दिलाने हेतु मुख्य अभियंता 'विद्युत', जयपुर को एक शिकायती पत्र लिखिए। [4M]

अथवा

स्वयं को रतलाम का पुस्तक विक्रेता दीपक मानते हुए पुस्तक महल, नई दिल्ली को नवीनतम पुस्तक सूची भेजने हेतु एक पत्र लिखिए।

(RBSE 2018)

7. स्वयं को तहसीलदार (भीण्डर) मानते हुए अपनी तहसील में जलसंकट के कारण जल व्यवस्था हेतु अतिरिक्त बजट की मांग के लिए अपने जिलाधीश, उदयपुर को पत्र लिखिए। [4M]

अथवा

स्वयं को चौमु निवासी दवा विक्रेता हेमांग मानते हुए, किसी फार्मा कंपनी को पत्र लिखकर दवाइयाँ मँगवाएँ।

(RBSE 2019)

8. स्वयं को देवास निवासी पुस्तक विक्रेता मानते हुए मोहन राघव प्रकाशन नई दिल्ली से कुछ पुस्तकें मँगवाने हेतु पत्र लिखिए। [4M]

अथवा

स्वयं को जिलाधीश गया मानते हुए अपने जिले के समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के संस्थाप्रधान को एकपत्र लिखिए जिसमें अपने विद्यालय में गाँधीजी की 150 वीं जयन्ती मनाने के आदेश दिए गए हो।

(RBSE 2020)

9. स्वयं को जिलाधीश मेरठ मानते हुए समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के संस्था-प्रधानों को एक पत्र लिखिए, जिसमें कोविड-19 से बचाव हेतु समस्त आवश्यक कार्य प्रतिदिन विद्यालय में करने हेतु निर्देशित किया गया हो । [5M]

अथवा

स्वयं को नागपुर निवासी राजेश मानते हुए यातायात पुलिस अधीक्षक, नागपुर को एक पत्र लिखिए, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बालक-बालिकाओं द्वारा वाहन-चालन को पूर्णतः प्रतिबन्धित करने की मांग हो

(RBSE 2021)

10. आप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अर्णव नगर के सुरेश हैं। आपके विद्यालय के पुस्तकालय में बालोपयोगी पुस्तकें मँगवाने हेतु प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए । (शब्द सीमा लगभग 300 शब्द) [4M]

अथवा

स्वयं को हिम्मत नगर का नरेन्द्र मानते हुए अपने छोटे भाई देवेश को स्वास्थ्य सुधार हेतु एक पत्र लिखिए।

(RBSE 2022)

11. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विशालपुर का नरेन्द्र मानकर प्रधानाचार्य महोदय से खेल सामग्री मँगवाने हेतु एक प्रार्थना - पत्र लिखिए। [4M]

अथवा

स्वयं को रसालगढ़ का निवासी सुरेश मानकर अपने छोटे भाई मोहन को शिक्षा का महत्व बताते हुए एक पत्र लिखिए।

(RBSE 2023)

12. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाहरपुरा का छात्र राहुल मानकर अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य से विद्यालय में पुस्तकालय सप्ताह मनाए जाने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए। [4M]

अथवा

स्वयं को रामगढ़ निवासी अर्जुन मानते हुए अपने मित्र राकेश को जीवन में अनुशासन का महत्त्व बताते हुए एक पत्र लिखिए। (RBSE 2024)

13. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पटना का छात्र नरेन्द्र मानते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाने हेतु एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

स्वयं को लखनऊ निवासी वंदिता मानते हुये अपनी मित्र दिल्ली निवासी रानी को अवकाश में लखनऊ भ्रमण हेतु आमंत्रित करते हुए एक पत्र लिखिए।

BOARD ZONE

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE

विज्ञापन-लेखन

1. राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नमनपुर के चित्र कला छात्रों द्वारा बनाये गए चित्रों की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए । (उत्तर सीमा 25-50 शब्द) [4M]

अथवा

'नव सृजन' संस्था द्वारा बनाई गई मूर्तियों की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए। (उत्तर सीमा 25-50 शब्द)

(RBSE 2022)

2. दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई मिट्टी की मूर्तियों के बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए। (उत्तर सीमा 25-50 शब्द) [4M]

अथवा

वसन्त ऋतु में विद्यालय के उद्यान में पुष्प प्रदर्शनी देखने के लिए आने हेतु एक विज्ञापन लिखिए। (उत्तर सीमा 25-50 शब्द)

(RBSE 2023)

3. महिला उद्यमिता केन्द्र द्वारा बनाये गए अचार व पापड़ की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए। [4M]

अथवा

विद्यालय में छात्रों द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी देखने के लिए एक विज्ञापन लिखिए।

(RBSE 2024)

4. स्वयं को मथुरा निवासी सुरेश मानते हुए अपनी पुरानी साइकिल की बिक्री हेतु एक विज्ञापन उचित प्रारूप में लिखिए। [4M]

अथवा

नगर निगम हरिद्वार की ओर से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु एक विज्ञापन उचित प्रारूप में लिखिए।

(RBSE 2025)

BOARD ZONE

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE

क्षितिज : पठित पद्यांश

1. प्रस्तुत पठित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [4M]

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।

(i) गोपियों ने किसे बड़भागी कहा है ?
(ii) उसे बड़भागी क्यों कहा गया है ?
(iii) ‘पुरइनि पात’ से क्या अभिप्राय है ?
(iv) तेल की गागरि पानी में डुबोने पर क्या होता है ?

अथवा

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास

(i) मधुप गुन-गुना कर क्या कह रहा है ?
(ii) पत्तियाँ क्यों गिर रही हैं ?
(iii) अनंत नीलिमा में क्या छिपा है ?
(iv) 'व्यंग्य-मलिन उपहास' से क्या तात्पर्य है ?

(RBSE 2024)

2. प्रस्तुत पठित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए [4M]

नाथ संभुधनु भंजनिहारा । होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।।
आयेसु कह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई । अरिकरनी करि करिअ लराई ।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का नाम लिखिए।
ii) सेवक का कार्य क्या है ?
iii) शिवधनुष तोड़ने वाले को पशश्राम ने किसके समान बताया है ?
iv) राम ने परशुराम को अपना परिचय क्या कहकर दिया ?

अथवा

उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की।
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।

i) प्रस्तुत पंक्तियों की कविता का नाम लिखिए।
ii) कवि क्या गाने में असमर्थ है ?
iii) कवि क्यों जाग गया ?
iv) कवि को क्या नहीं मिला ?

(RBSE 2024)

BOARD ZONE

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE

क्षितिज : पाठ्य पुस्तक प्रश्न (काव्य खंड)

1.सूरदास

1. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ? [2M] (RBSE 2014)
2. कृष्ण ने मथुरा जाने के बाद उद्धव के माध्यम से गोपियों के पास जो संदेश भेजा उसकी गोपियों ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की? [2M] (RBSE 2016)
3. गोपियों ने कृष्ण को 'हारिल की लकड़ी' क्यों कहा ? [2M] (RBSE 2017)
4. गोपियाँ किस लालच से कृष्ण की दासी बन गईं ? [2M] (RBSE 2018)
5. गोपियों ने राजधर्म किसे कहा और क्यों? [2M] (RBSE 2022)
6. गोपियों को उद्धव का संदेश पसंद क्यों नहीं आया? [2M](RBSE 2023)
7. "हमारैं हरि हारिल की लकरी"
   गोपियों ने हरि को 'हारित की लकरी' क्यों कहा है ? पाठ के आधार पर समझाइए ।(उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द) [3M](RBSE 2025)
8. सूरदास के काव्य में किस भाषा का निखरा हुआ रूप है ?
   अ) ब्रजभाषा
   ब) संस्कृत
   स) अवधी
   द) प्राकृत

2.तुलसीदास (राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद)

1. राम—लक्ष्मण-परशुराम संवाद रचना के आधार पर बताइए कि मनुष्य को किन जीवन मूल्यों को अपनाने का संकेत किया गया है? [2M](RBSE 2014)
2. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में लक्ष्मण ने योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ? [2M] (RBSE 2017)
3. 'लक्ष्मण परशुराम संवाद' पाठानुसार परशुराम की क्रोधाग्नि कैसे शांत हुई ? लिखिए। [6M] (RBSE 2018)
4. तुलसीदास रचनाकार का संक्षिप्त परिचय दीजिए [2M] (RBSE 2018)
5. 'लक्ष्म परशुराम संवाद' पाठ के संवादों पर विस्तृत टिप्पणी कीजिए। (उत्तर-सीमा 200 शब्द) [2M] (RBSE 2019)
6. 'लक्ष्मण-परशुराम संवाद' रामचरितमानस के किस 'काण्ड' से लिया गया है ? 'काण्ड' का नाम लिखिए । [1M] (RBSE 2021)
7. तुलसीदास के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व संक्षेप में लिखिए। [2M] (RBSE 2022)
8. परशुराम जी का गुस्सा कैसे शान्त हुआ? [2M] (RBSE 2022)
9. लक्ष्मण के वचनों से बढ़े हुए परशुराम जी के क्रोध को किसने और कैसे शान्त किया? [2M] (RBSE 2023)
10. "सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।"
    पंक्ति के आधार पर बताइए परशुराम ने राम के किस कार्य को शत्रु के कार्य के समान बताया है । [3M] (RBSE 2024)
11. तुलसीदास जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व के बारे में लिखिए। (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [4M] (RBSE 2024)

12. परशुराम आपे से बाहर क्यों हो गए ? [1M] (RBSE 2025)

अ) शिव-धनुष को खंडित देखकर

ब) अकारण ही

स) राम के मोहक रूप को देखकर

द) राजा जनक को देखकर

3.जयशंकर प्रसाद (आत्मकथ्य)

1. 'आत्मकथ्य' कविता में कवि जयशंकर प्रसाद ने जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की जो मार्मिक अभिव्यक्ति की है, उसे अपने शब्दों में लिखिए। [2M] (RBSE 2016)
2. जयशंकर प्रसाद जी ने कौन-सी मासिक पत्रिका का संपादन किया था ? [1M] (RBSE 2021)
3. उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की - कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ? [4M] (RBSE 2014)
4. 'आत्मकथ्य' कविता में कवि प्रसाद ने महान कवि की विनम्रता किस प्रकार व्यक्त की है ? [2M] (RBSE 2015)
5. 'आत्मकथ्य' कविता में किसकी अभिव्यक्ति है? [2M] (RBSE 2022)

4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (उत्साह, अट नहीं रही है)

1. महाकवि निराला का संक्षिप्त परिचय दीजिए [2M] (RBSE 2021)
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की औपचारिक शिक्षा कौन-से स्तर तक हुयी थी ? [1M] (RBSE 2021)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व संक्षेप में लिखिए। [2M] (RBSE 2022)
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' रचित कविता 'अट नहीं रही है' में वर्णित फागुन की मादकता का वर्णन कीजिए । (उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द) [3M] (RBSE 2021)
5. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' जी की कविता 'अभी न होगा मेरा अंत' का केन्द्रीय भाव लिखिए (शब्द-सीमा लगभग 40 शब्द) [2M] (RBSE 2016)
6. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के कृतित्व के बारे में लिखिए। [2M] (RBSE 2025)
7. 'उत्साह' कविता में निराला ने बादल को किसका प्रतीक माना है? [2M] (RBSE 2025)
8. 'उत्साह' कविता में कवि ने संबोधित किया है -

   अ) सूर्य को

   ब) पथिक को

   स) बादल को

   द) स्वयं को

9. 'मधुप गुन - गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी' उपर्युक्त पंक्तियों में अपनी कहानी कौन कह रहा है ? [1M] (RBSE 2025)

   अ) भँवरा

क्षितिज : पाठ्य पुस्तक प्रश्न (गद्य खंड)

7. स्वयं प्रकाश (नेताजी का चश्मा)

1. 'नेताजी का चश्मा' कहानी के अनुसार देश के निर्माण में बड़े ही नहीं बच्चे भी शामिल हैं । आप देश के नव निर्माण में किस प्रकार योगदान देंगे ? [2M] (RBSE 2015)
2. 'नेता जी का चश्मा' पाठ में निहित देशभक्ति के संदेश को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। [2M] (RBSE 2016)
3. 'नेताजी का चश्मा' पाठ किसके योगदान को दर्शाता है? [1M] (RBSE 2016)
4. हालदार साहब की आँखें क्यों भर आईं ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए । (उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द) [2M] (RBSE 2024)
5. हालदार साहब ने जब नेताजी की मूर्ति को पहली बार देखा तो उनकी दृष्टि में क्या बात खटकती थी [2M] (RBSE 2024)
6. 'नेताजी का चश्मा' पाठ की विधा है - [1M] (RBSE 2025)

   अ) कहानी

   ब) कविता

   स) नाटक

   द) उपन्यास

8. रामवृक्ष बेनीपुरी (बालगोबिन भगत)

1. बालगोबिन भगत रेखाचित्र सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करता है। स्पष्ट कीजिए। [2M] (RBSE 2016)
2. बालगोबिन भगत रेखाचित्र के माध्यम से किसके चरित्र का उद्घाटन किया गया है? [2M] (RBSE 2022)
3. 'बालगोबिन भगत' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या दर्शाया है? [1M] (RBSE 2023)
4. बालगोबिन भगत की मृत्यु कैसे हुई ? - पाठ के आधार पर समझाइए ।(उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द) [2M] (RBSE 2025)
5. बालगोबिन भगत 'साहब' किसे मानते थे ? [2M] (RBSE 2025)

   अ) स्वयं को

   ब) कबीर को

   स) अपने पुत्र को

   द) अपनी पतोहू को

9. यशपाल (लखनवी अंदाज)

1. 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर नवाब साहब के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए । [2M] (RBSE 2014)
2. 'यशपाल ने पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया है ।' — इस कथन को 'लखनवी अन्दाज' कहानी के आधार पर उदाहरण सहित समझाइए । [2M] (RBSE 2015)
3. "लखनवी अंदाज" कहानी की संवेदना को सार रूप में लिखिए । [2M] (RBSE 2017)

4. नवाब साहब ने खीरे की फांकों को बिना खाये ही क्यों फैंक दिया? [2M] (RBSE 2022)
5. 'यशपाल' का जीवन परिचय एवं कृतित्त्व संक्षेप में लिखिए । [2M] (RBSE 2022)
6. 'लखनवी अंदाज' व्यंग्य में लेखक ने किस वर्ग पर कटाक्ष किया है ? (उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द) [3M] (RBSE 2023)
7. नवाब साहब ने खीरे की सब फाँको को खिड़की से बाहर फेंककर तौलिए से हाथ और होंठ पोंछकर किस भाव को दर्शाया? [1M] (RBSE 2023)
8. यशपाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में लिखिए। (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [4M] (RBSE 2024)
9. लेखक के सैकंड क्लास के डिब्बे में चढ़ने पर, पहले से वहाँ बैठे नवाब साहब पर क्या प्रतिक्रिया हुई ? 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर समझाइये । (उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द) [3M] (RBSE 2025)

10. मन्नू भंडारी (एक कहानी यह भी)

1. 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइये कि लेखिका के अपने पिता से क्या वैचारिक मतभेद थे । [2M] (RBSE 2014)
2. 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व को कोई तीन विशेषताएँ लिखिए । (उत्तर सीमा 60 शब्द) [2M] (RBSE 2015)
3. 'एक कहानी यह भी' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि दकियानूसी विचारधारा जहाँ मन को हतोत्साहित करती है वहीं प्रगतिशील विचारधारा मानव मन को गर्वित करती है। [2M] (RBSE 2016)
4. 'एक कहानी यह भी' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि मन्नू भण्डारी बाल्यकाल से ही जिद्दी व विद्रोही स्वभाव की थीं । [2M] (RBSE 2017)
5. मन्नू भंडारी के पिता की सबसे बड़ी दुर्बलता क्या थी? [1M] (RBSE 2022)
6. 'एक कहानी यह भी' पाठ में मन्तू भण्डारी पर किस-किस का प्रभाव अधिक उभर कर आया है? [1M] (RBSE 2023)
7. मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए। [2M] (RBSE 2023)
8. मन्नू भंडारी ने अपनी माँ को धरती से भी अधिक धैर्यवान और सहनशील क्यों कहा है? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर समझाइए। [2M] (RBSE 2025)
9. 'एक कहानी यद भी' के लेखक का नाम है - [1M] (RBSE 2025)
   अ) मुंशी प्रेमचंद
   ब) हरिवंश राय बच्चन
   स) गोषालदास 'नीरज'
   द) मन्नू भण्डारी

11. यतींद्र मिश्र (नौबतखाने में इबादत)

1. मुहर्रम से बिस्मिल्ला खां के जुड़ाव को बताइये । [2M] (RBSE 2014)
2. शहनाई वादक बिस्मिल्ला खां का जीवन परिचय दीजिए । [2M] (RBSE 2017)
3. 'नौबतखाने में इबादत' पाठ किसके बारे में है? [1M] (RBSE 2022)

BOARD ZONE

राजस्थान बोर्ड की तैयारी के लिए आज ही हमारे YouTube चैनल Board Zone और Website BoardZone.in से जुड़ें।

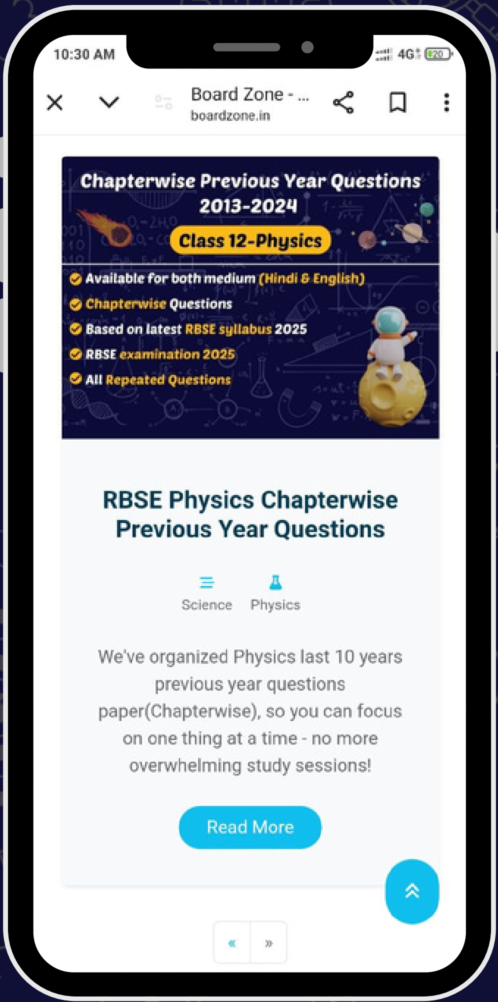

- Chapter-wise PYQ
- Handwritten Notes
- MCQ
- Blue Print
- Model Paper
- Strategy
- etc

921-6765-400

Join Channel For Free Study Materials

TELEGRAM | YOUTUBE | WEBSITE